दो दोस्त - बिल्ली और कुत्ता

तूफान कैटरीना, दोस्ती और ज़िंदा बचने की एक सच्ची कहानी

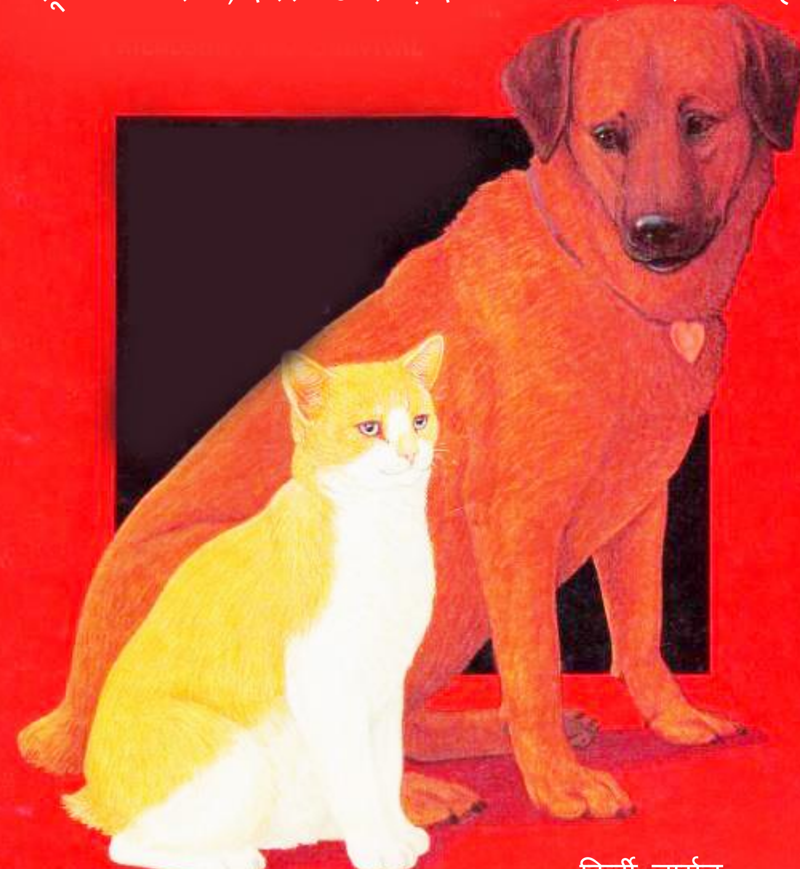
किर्बी लार्सन

चित्र: जीन कैसल्स



दो दोस्त - बिल्ली और कुत्ता

तूफान कैटरीना, दोस्ती और ज़िंदा बचने की एक सच्ची कहानी



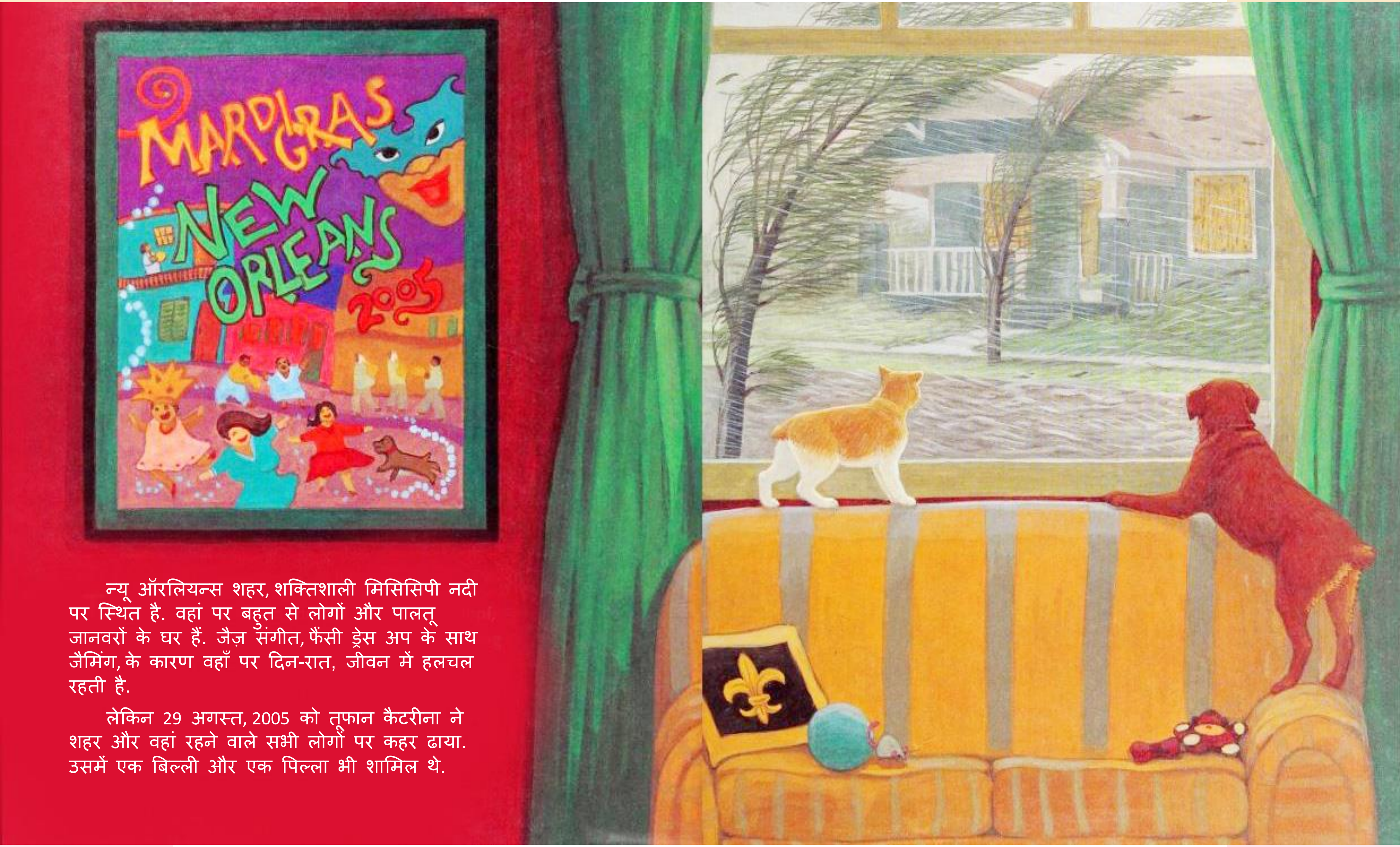
किर्बी लार्सन

चित्र: जीन कैसल्स

न तो बॉब कुत्ते और न ही बोबो बिल्ली की पूंछ थी. कुछ लोगों के अनुसार यही बात उन्हें एक साथ लाई थी. वैसे किसी को पक्का नहीं पता कि वे कैसे मिले. शायद उनके मालिक के दिल में बिना पूंछ वाले पालतू जानवरों के लिए प्रेम रहा हो. लेकिन वे दोनों जानवर, वास्तव में ऐसे दोस्त थे जिन्हे एक-दूसरे की उस समय सख्त ज़रुरत थी.

यह उन दोनों की कहानी है.





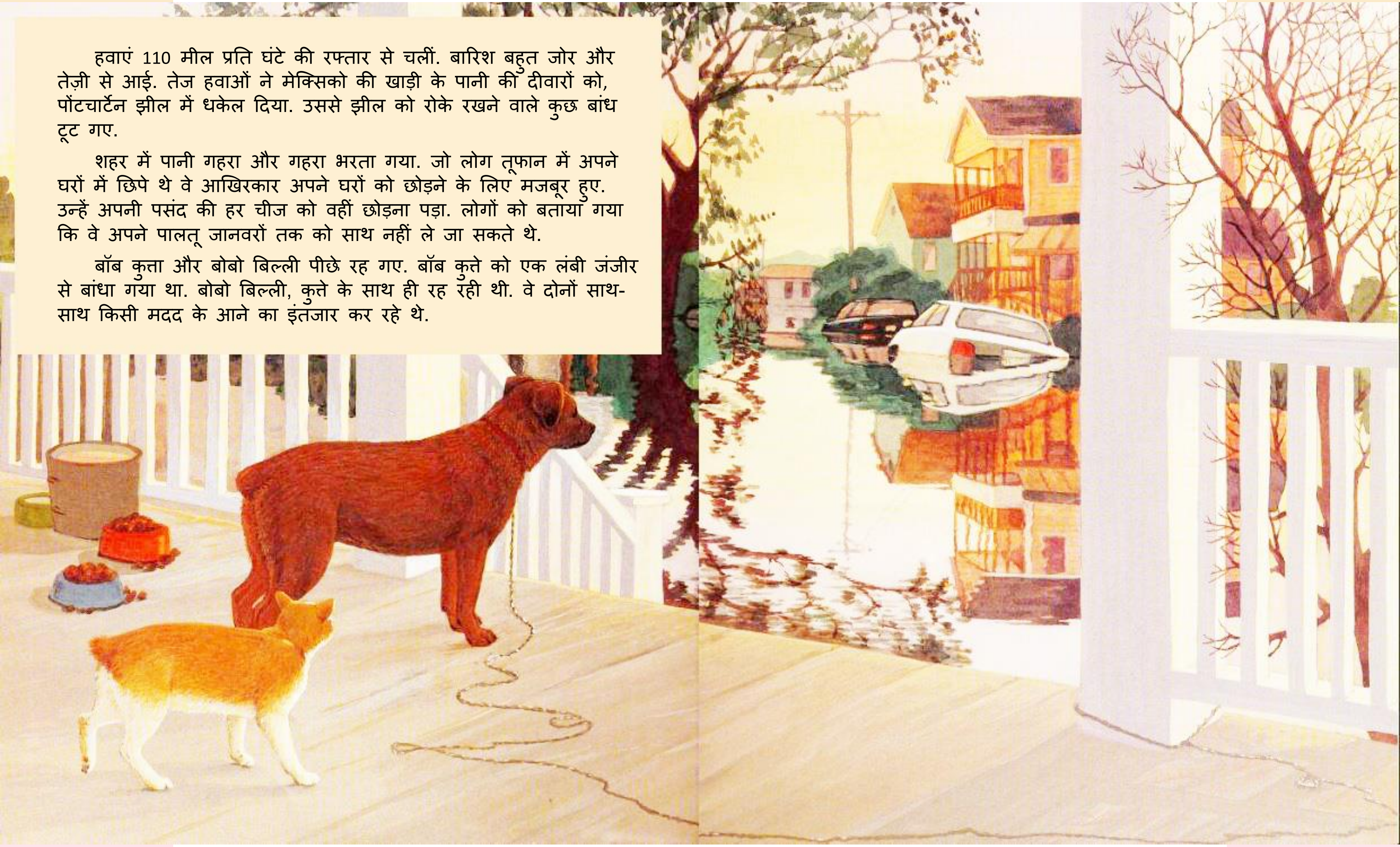
न्यू ऑरलियन्स शहर, शक्तिशाली मिसिसिपी नदी पर स्थित है. वहां पर बहुत से लोगों और पालतू जानवरों के घर हैं. जैज़ संगीत, फैंसी ड्रेस अप के साथ जैमिंग, के कारण वहाँ पर दिन-रात, जीवन में हलचल रहती है.

लेकिन 29 अगस्त, 2005 को तूफान कैटरीना ने शहर और वहां रहने वाले सभी लोगों पर कहर ढाया. उसमें एक बिल्ली और एक पिल्ला भी शामिल थे.

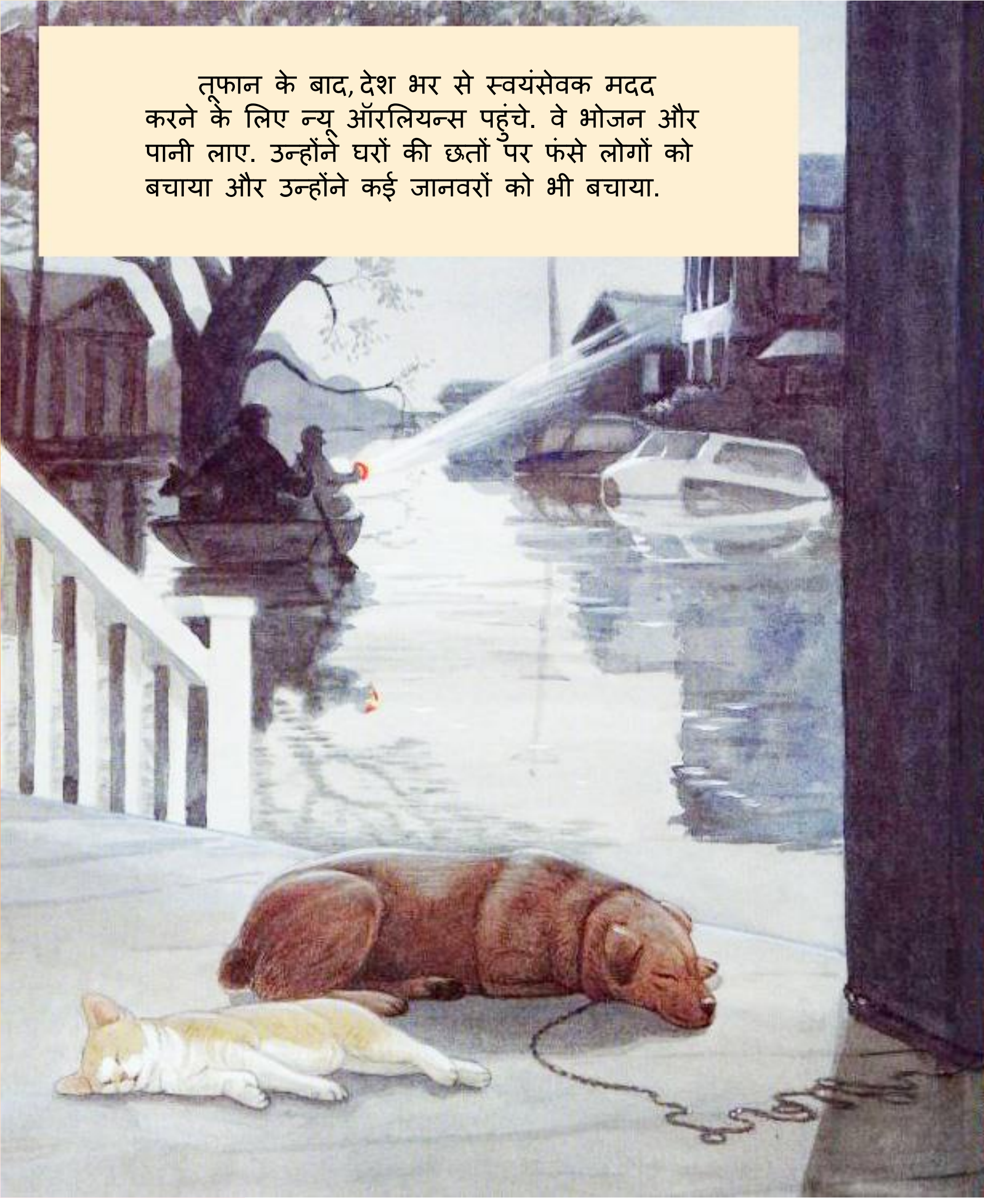
हवाएं 110 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं. बारिश बहुत जोर और तेज़ी से आई. तेज हवाओं ने मेक्सिको की खाड़ी के पानी की दीवारों को, पोंटचार्टेन झील में धकेल दिया. उससे झील को रोके रखने वाले कुछ बांध टूट गए.

शहर में पानी गहरा और गहरा भरता गया. जो लोग तूफान में अपने घरों में छिपे थे वे आखिरकार अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर हुए. उन्हें अपनी पसंद की हर चीज को वहीं छोड़ना पड़ा. लोगों को बताया गया कि वे अपने पालतू जानवरों तक को साथ नहीं ले जा सकते थे.

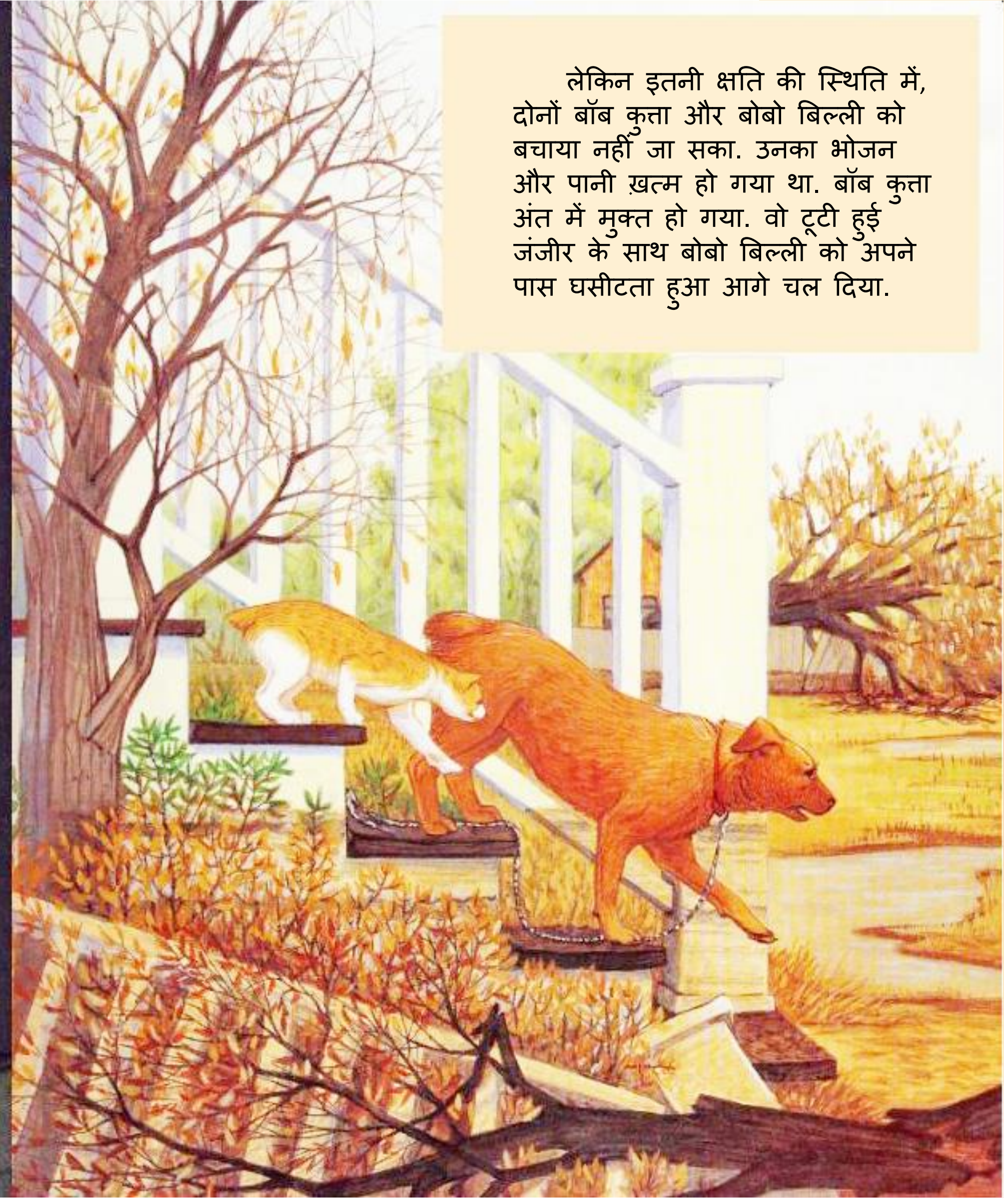
बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली पीछे रह गए. बॉब कुत्ते को एक लंबी जंजीर से बांधा गया था. बोबो बिल्ली, कुत्ते के साथ ही रह रही थी. वे दोनों साथ-साथ किसी मदद के आने का इंतजार कर रहे थे.



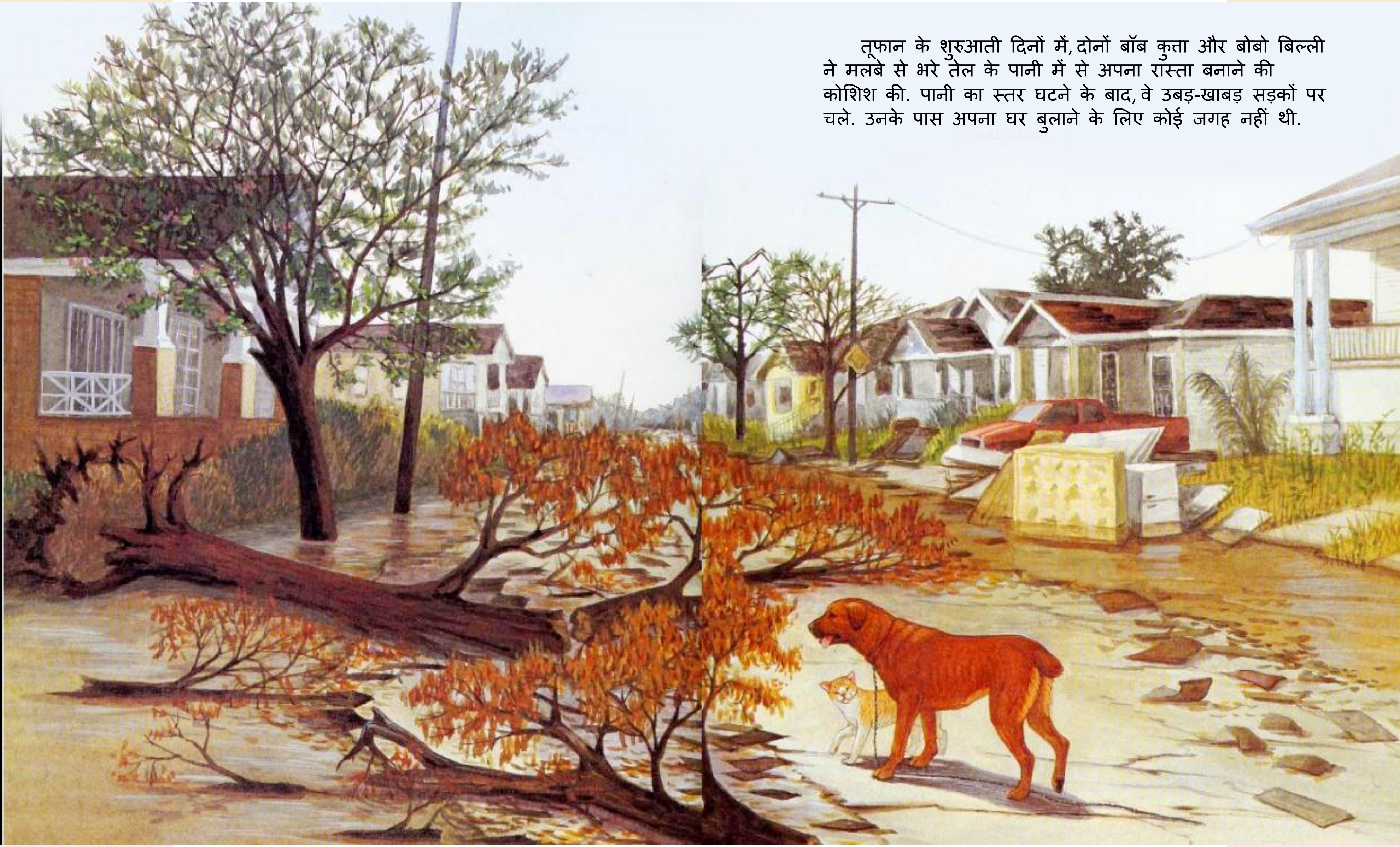
तूफान के बाद, देश भर से स्वयंसेवक मदद करने के लिए न्यू ऑरलियन्स पहुंचे. वे भोजन और पानी लाए. उन्होंने घरों की छतों पर फंसे लोगों को बचाया और उन्होंने कई जानवरों को भी बचाया.



लेकिन इतनी क्षति की स्थिति में, दोनों बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली को बचाया नहीं जा सका. उनका भोजन और पानी ख़त्म हो गया था. बॉब कुत्ता अंत में मुक्त हो गया. वो टूटी हुई जंजीर के साथ बोबो बिल्ली को अपने पास घसीटता हुआ आगे चल दिया.

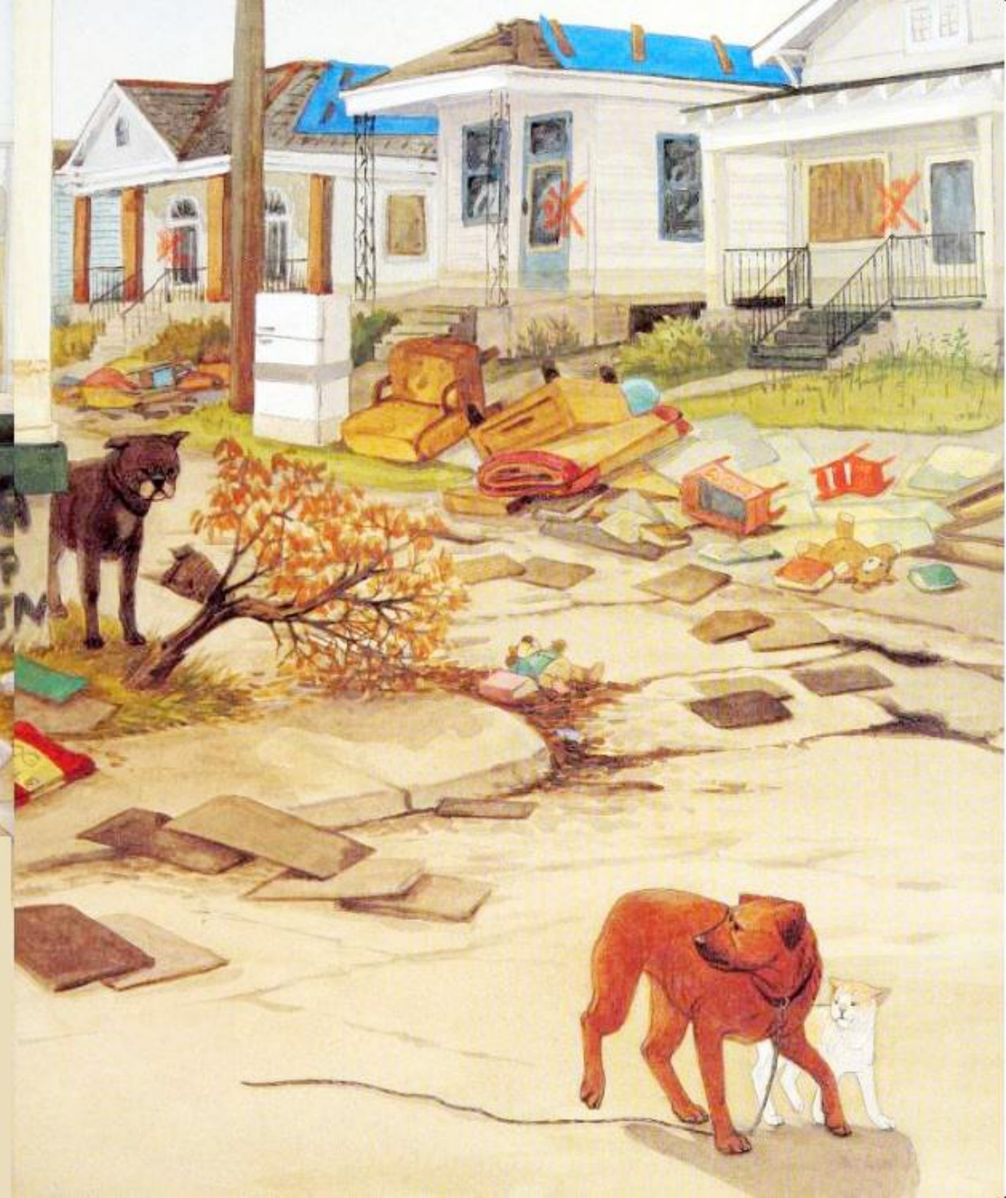


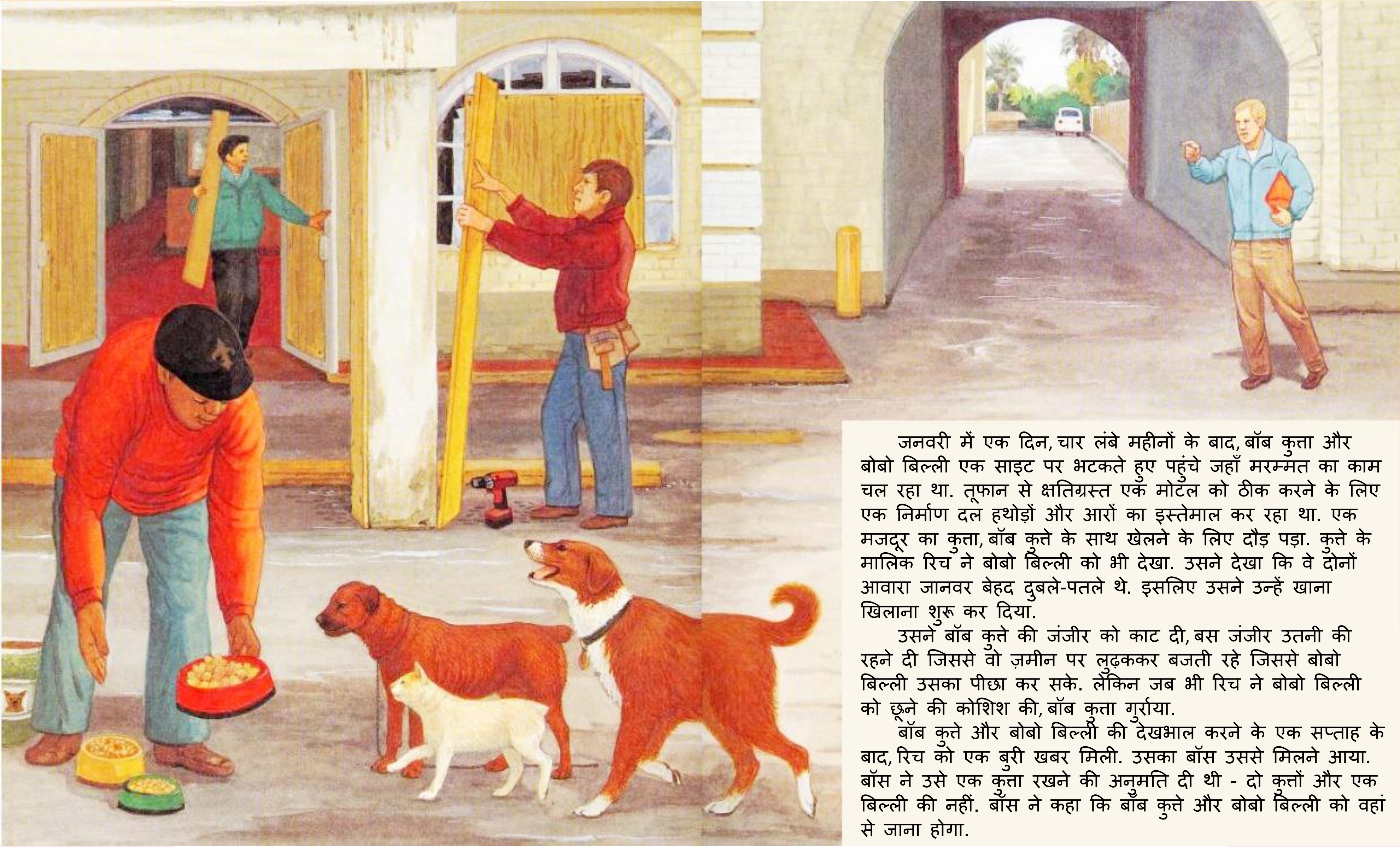
तूफान के शुरुआती दिनों में, दोनों बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली ने मलबे से भरे तेल के पानी में से अपना रास्ता बनाने की कोशिश की. पानी का स्तर घटने के बाद, वे उबड़-खाबड़ सड़कों पर चले. उनके पास अपना घर बुलाने के लिए कोई जगह नहीं थी.





बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली को, तबाह शहर में भटकते हुए महीनों बीते. उनके दिन और रात खतरे से भरे थे. भूखे, बेघर कुत्तों के झुंड सड़कों पर घूम रहे थे, और खाना छीनने के लिए छोटे जानवरों से लड़ रहे थे. क्या बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली को मिले खाने के टुकड़े उनसे छीने गए? बहुत कम खाने और पीने के अभाव में, बॉब कुत्ते की पसलियां दिखने लगीं थीं. बोबो बिल्ली के शरीर पर भूरे धब्बे अब फीके पड़ने लगे थे.





जनवरी में एक दिन, चार लंबे महीनों के बाद, बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली एक साइट पर भटकते हुए पहुंचे जहाँ मरम्मत का काम चल रहा था. तूफान से क्षतिग्रस्त एक मोटल को ठीक करने के लिए एक निर्माण दल हथोड़ों और आरों का इस्तेमाल कर रहा था. एक मजदूर का कुत्ता, बॉब कुत्ते के साथ खेलने के लिए दौड़ पड़ा. कुत्ते के मालिक रिच ने बोबो बिल्ली को भी देखा. उसने देखा कि वे दोनों आवारा जानवर बेहद दुबले-पतले थे. इसलिए उसने उन्हें खाना खिलाना शुरू कर दिया.

उसने बॉब कुत्ते की जंजीर को काट दी, बस जंजीर उतनी की रहने दी जिससे वो ज़मीन पर लुढ़ककर बजती रहे जिससे बोबो बिल्ली उसका पीछा कर सके. लेकिन जब भी रिच ने बोबो बिल्ली को छूने की कोशिश की, बॉब कुत्ता गुर्राया.

बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली की देखभाल करने के एक सप्ताह के बाद, रिच को एक बुरी खबर मिली. उसका बॉस उससे मिलने आया. बॉस ने उसे एक कुत्ता रखने की अनुमति दी थी - दो कुत्तों और एक बिल्ली की नहीं. बॉस ने कहा कि बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली को वहां से जाना होगा.



रिच ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने की ठानी. लेकिन जब भी रिच, बोबो बिल्ली के करीब आता, तब बॉब कुत्ता हमेशा घुर्राता था. बॉब कुत्ता उसे अपने दोस्त को पकड़ने या छूने नहीं देता था. फिर रिच ने बिल्ली को एक कटोरी भर खाना दिखाया. फिर बोबो बिल्ली ने रिच की वैन तक भोजन का पीछा किया और बॉब कुत्ता भी पीछे-पीछे आया.



रिच उन्हें एक अस्थायी आश्रय में ले गया, जिसे बेस्ट फ्रेंड्स एनिमल सोसाइटी ने, सेलिब्रेशन स्टेशन में स्थापित किया था. वो स्थान कभी एक वीडियो-गेम आर्केड था. आश्रय पूरी तरह से बेघर कुत्तों और बिल्लियों से भरा हुआ था, लेकिन एक स्वयंसेवक ने उनका स्वागत किया, यहाँ तक कि उसने बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली का नामकरण भी किया. उन्हें अलग-अलग कमरों में रखा गया.

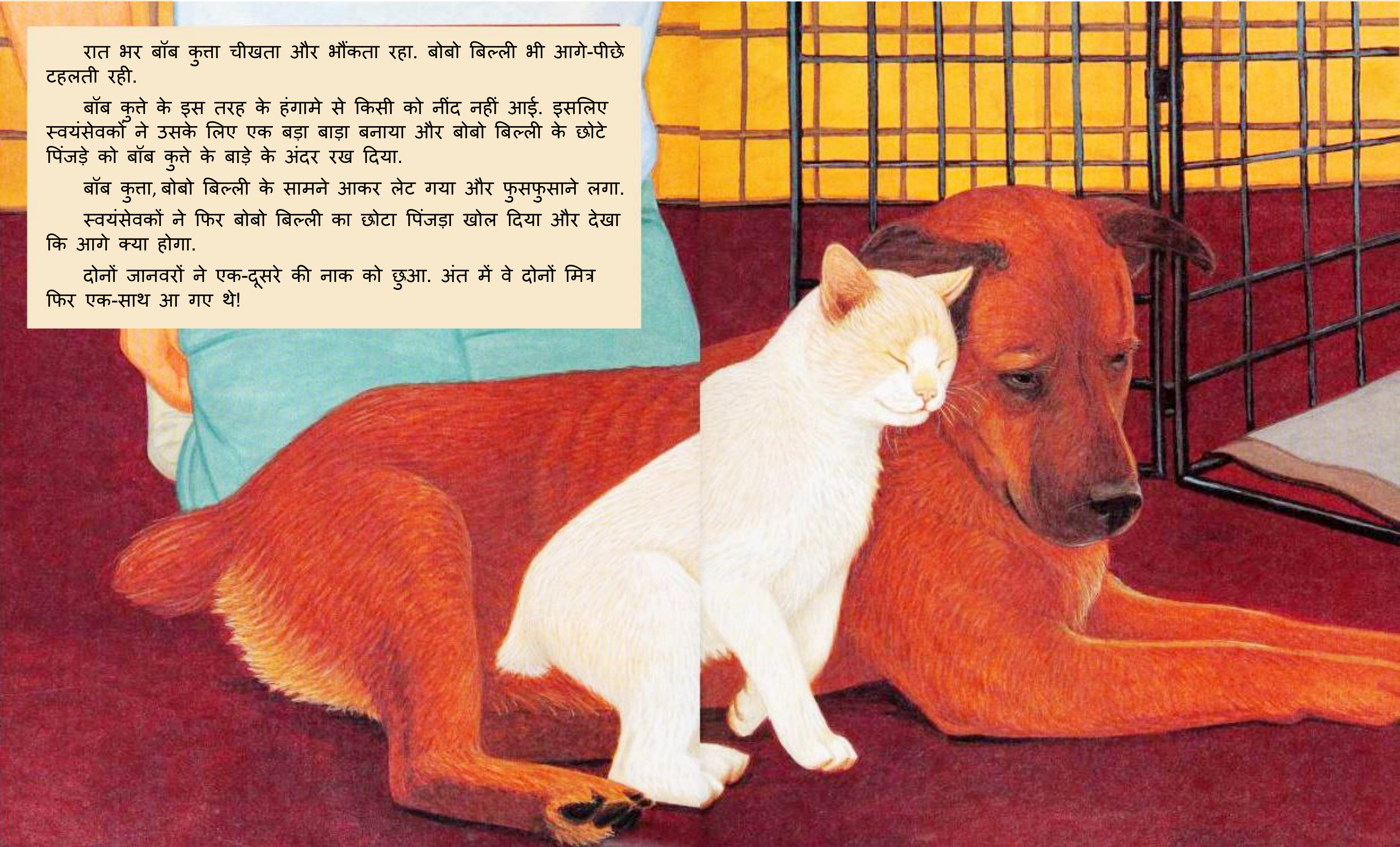
रात भर बॉब कुत्ता चीखता और भौंकता रहा. बोबो बिल्ली भी आगे-पीछे टहलती रही.

बॉब कुत्ते के इस तरह के हंगामे से किसी को नींद नहीं आई. इसलिए स्वयंसेवकों ने उसके लिए एक बड़ा बाड़ा बनाया और बोबो बिल्ली के छोटे पिंजड़े को बॉब कुत्ते के बाड़े के अंदर रख दिया.

बॉब कुत्ता, बोबो बिल्ली के सामने आकर लेट गया और फुसफुसाने लगा.

स्वयंसेवकों ने फिर बोबो बिल्ली का छोटा पिंजड़ा खोल दिया और देखा कि आगे क्या होगा.

दोनों जानवरों ने एक-दूसरे की नाक को छुआ. अंत में वे दोनों मित्र फिर एक-साथ आ गए थे!

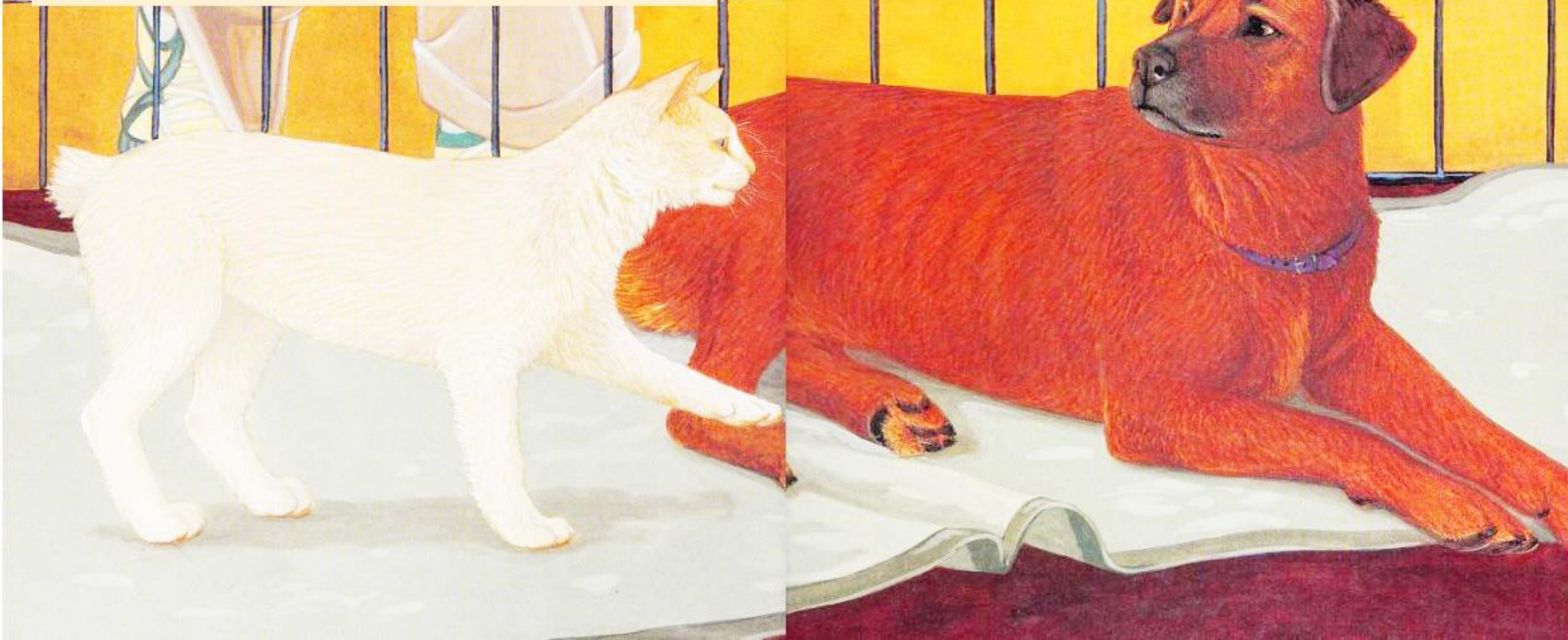


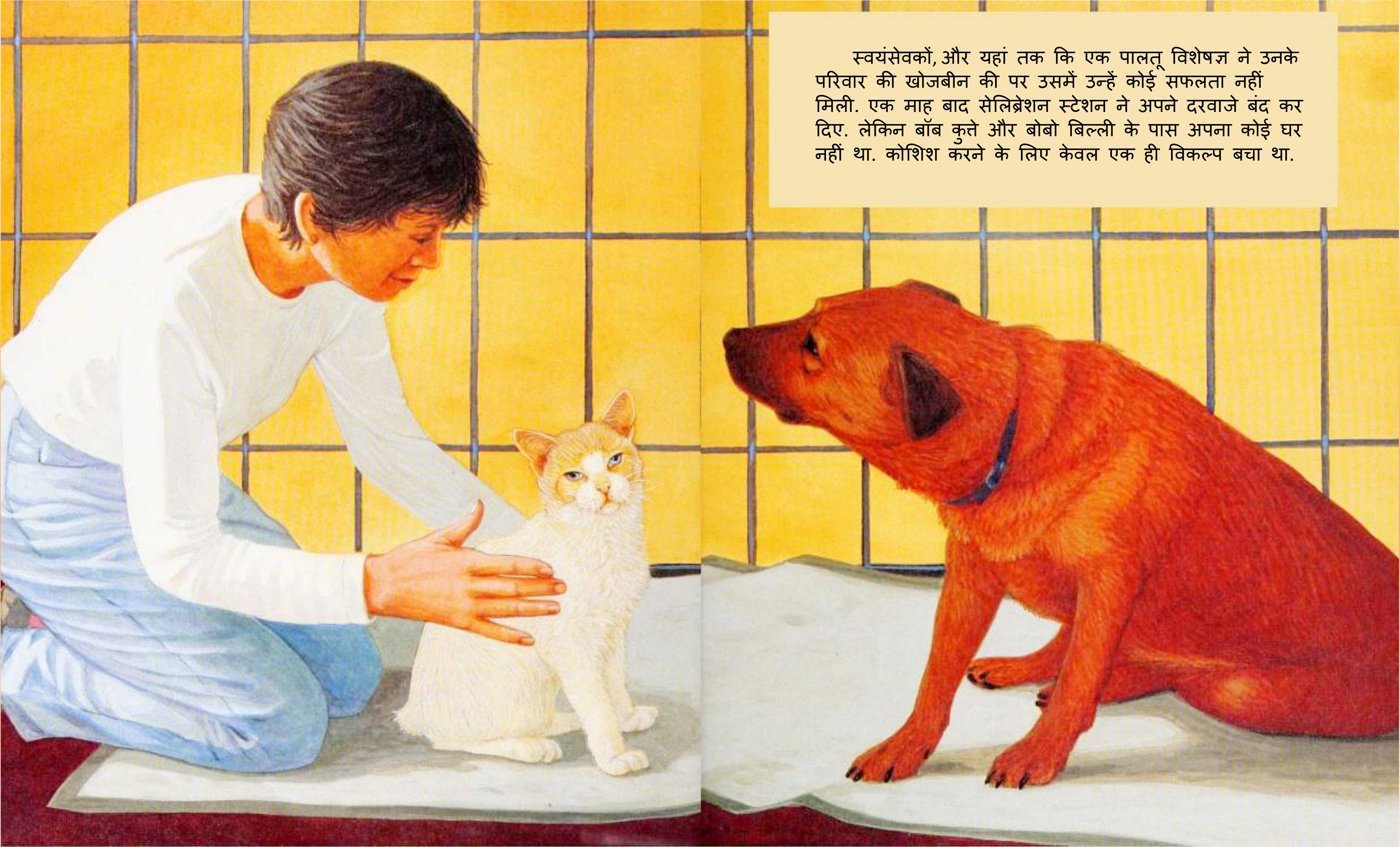
अगले कुछ मिनटों तक स्वयंसेवकों ने बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली का अध्ययन किया. उन्होंने देखा कि कैसे बोबो बिल्ली, बॉब कुत्ते के करीब रहती थी. उन्होंने देखा कि कैसे वो अपनी गर्दन को बाहर निकालकर चलता था और कैसे वो बड़ी सावधानी से अपने सामने के पंजे उठाता था, फिर उन्हें नीचे रखता था जैसे वो अनिश्चित था कि वो अपने कदम कहाँ रख रहा था.

बोबो बिल्ली के चेहरे के सामने किसी ने हाथ हिलाया. लेकिन बोबो बिल्ली पीछे नहीं हटी. फिर एक दूसरे स्वयंसेवक ने अपना हाथ लहराया. बोबो बिल्ली ने अपनी पलक भी नहीं झपकाई. सब दंग रह गए.

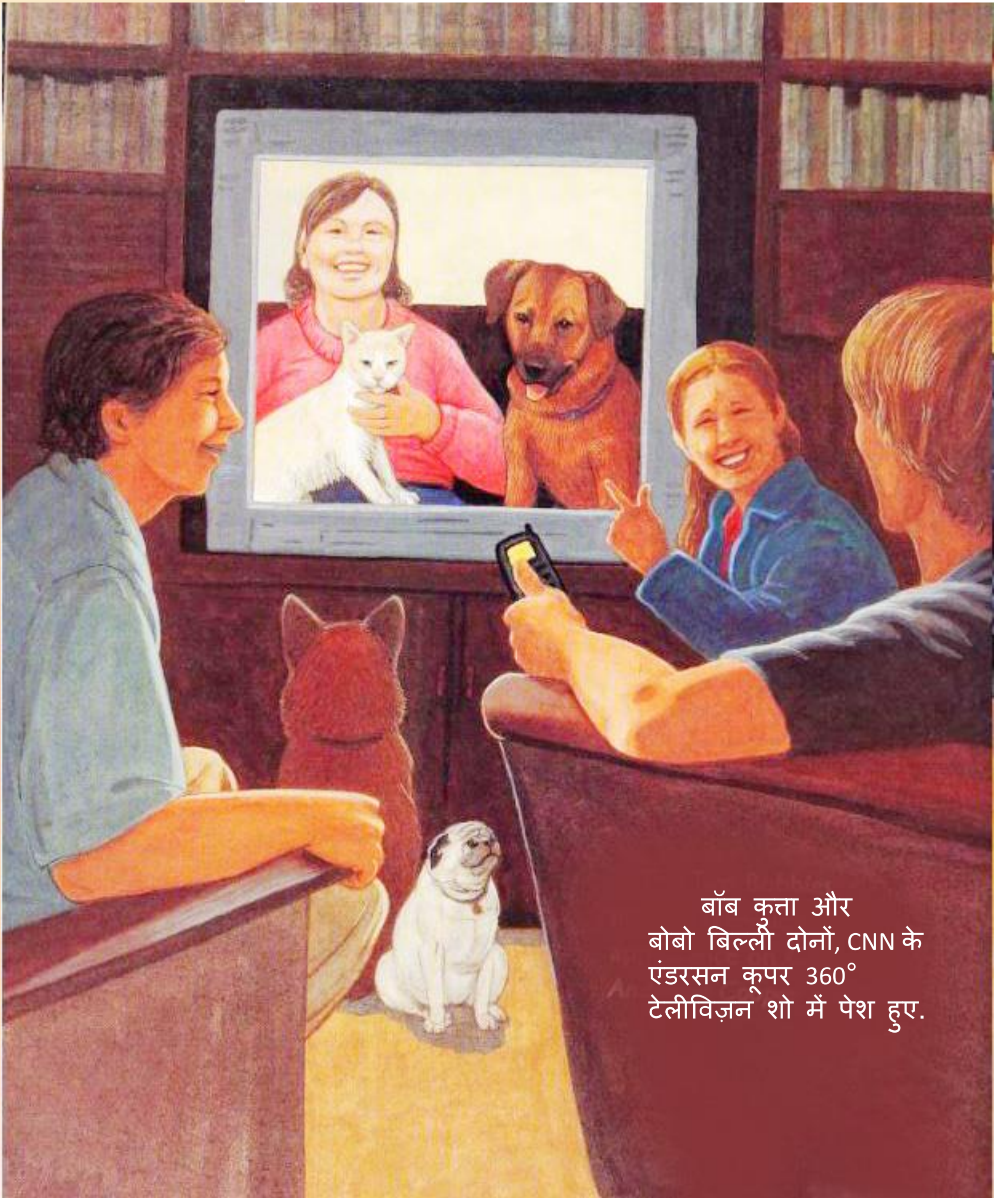
बोबो बिल्ली अंधी थी!

उस पूरे समय में, बोबो बिल्ली ने, बॉब कुत्ते की आँखों से देखा था.





स्वयंसेवकों, और यहां तक कि एक पालतू विशेषज्ञ ने उनके परिवार की खोजबीन की पर उसमें उन्हें कोई सफलता नहीं मिली. एक माह बाद सेलिब्रेशन स्टेशन ने अपने दरवाजे बंद कर दिए. लेकिन बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली के पास अपना कोई घर नहीं था. कोशिश करने के लिए केवल एक ही विकल्प बचा था.



बॉब कुत्ता और
बोबो बिल्ली दोनों, CNN के
एंडरसन कूपर 360°
टेलीविज़न शो में पेश हुए.



अगले ही दिन, बेस्ट फ्रेंड्स के स्वयंसेवकों ने न्यू ऑरलियन्स शहर छोड़ दिया. उनमें से एक स्वयंसेवक बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली को यूटा में बेस्ट फ्रेंड्स एनिमल सैंक्चुअरी में ले गया. उन्हें वहां तब तक रहना था जब तक कि उन्हें कोई नया परिवार नहीं मिल जाता. खबर मिलते समय वे पश्चिम की ओर जा रहे थे.

टेलीविज़न पर आने के बाद अब सैकड़ों लोग उन्हें अपनाना चाहते थे!

उन्हें एक साथ अपनाने के लिए एक बहुत ही खास परिवार की आवश्यकता थी. स्वयंसेवकों ने एक लम्बी सूची बनाई और दत्तक लेने वाले सभी परिवारों को दोनों जानवरों से मिलने आने के लिए आमंत्रित किया.

केवल मेलिंडा और उसका कुत्ता बोस्टन टेरियर गस-गस ने यूटा की लंबी यात्रा करके आए. उस रात, बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली, मेलिंडा और गस-गस के साथ अभयारण्य के एक कॉटेज में सोए. क्या दोनों जानवर, मेलिंडा को पसंद करेंगे और चुनेंगे?





अगली सुबह सभी को इसका जवाब पता चल गया. बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली, मेलिंडा से वेल्क्रो की तरह चिपके थे. गस-गस भी उन्हें पसन्द आया, और उसने भी उन्हें पसन्द किया.

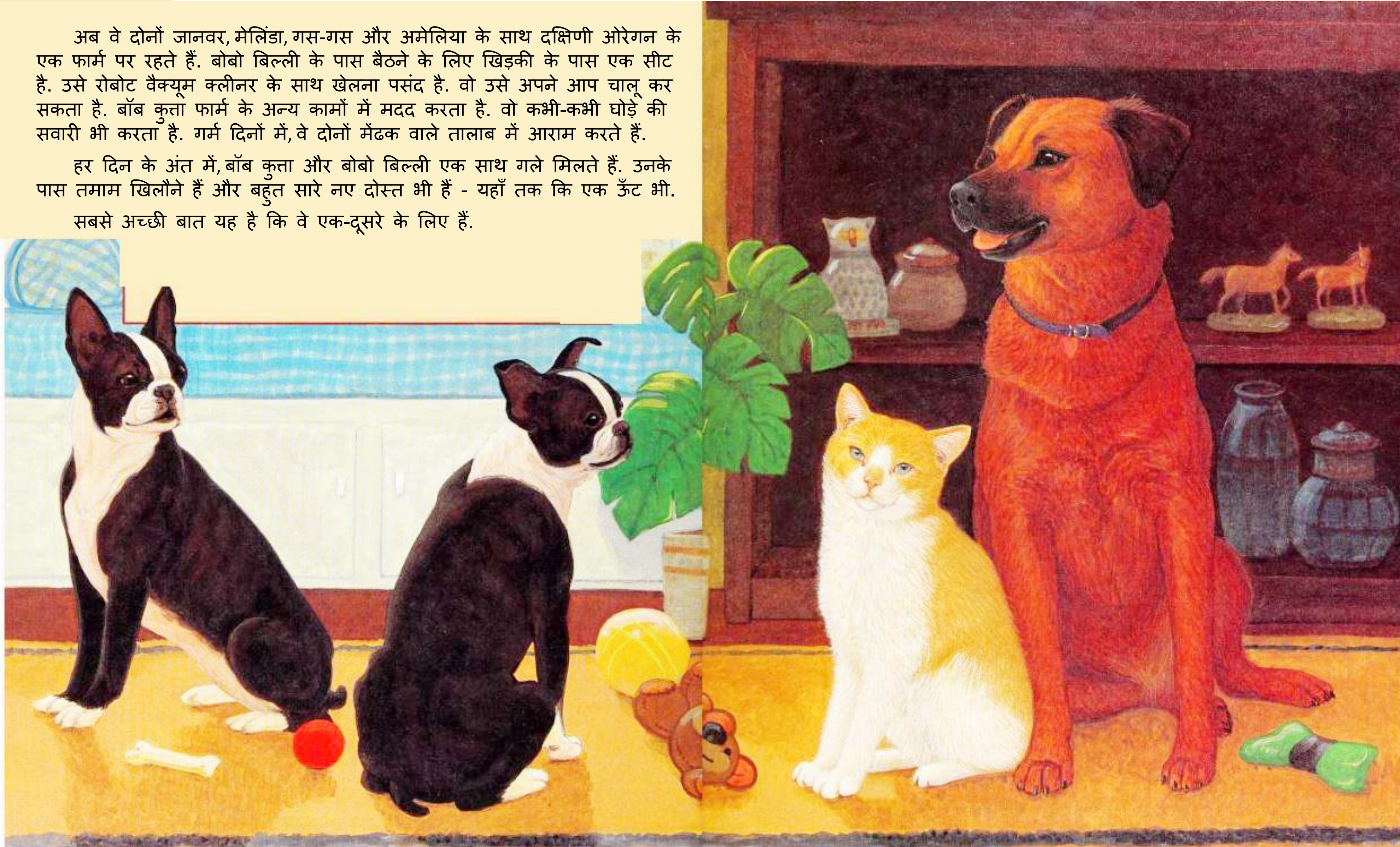
आखिरकार, बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली को अपना नया परिवार मिल गया था.



अब वे दोनों जानवर, मेलिंडा, गस-गस और अमेलिया के साथ दक्षिणी ओरेगन के एक फार्म पर रहते हैं. बोबो बिल्ली के पास बैठने के लिए खिड़की के पास एक सीट है. उसे रोबोट वैक्यूम क्लीनर के साथ खेलना पसंद है. वो उसे अपने आप चालू कर सकता है. बॉब कुत्ता फार्म के अन्य कामों में मदद करता है. वो कभी-कभी घोड़े की सवारी भी करता है. गर्म दिनों में, वे दोनों मेंढक वाले तालाब में आराम करते हैं.

हर दिन के अंत में, बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली एक साथ गले मिलते हैं. उनके पास तमाम खिलौने हैं और बहुत सारे नए दोस्त भी हैं - यहाँ तक कि एक ऊँट भी.

सबसे अच्छी बात यह है कि वे एक-दूसरे के लिए हैं.



तूफान के बाद

हज़ारों अन्य लोगों की तरह, जब तूफान कैटरीना ने न्यू ऑरलियन्स पर मार की, तो दोनों बॉब कुत्ते और बोबो बिल्ली ने अपने-अपने परिवारों को खो दिया. मेलिंडा और गस-गस के साथ रहने के बाद, उनके पशुचिकित्सक ने बोबो बिल्ली के कान के अंदर मलबे और रेत की खोज की. उसके दाहिने कान का पर्दा फट गया था. क्या बॉब कुत्ते ने बोबो बिल्ली को गंदे बाढ़ के पानी से बचाया था जिससे न्यू ऑरलियन्स भर गया था? किसी को कभी भी इसका पता नहीं चलेगा. लेकिन यह बहुत संभव है कि बोबो बिल्ली जैसी अंधी बिल्ली, बॉब कुत्ते के संरक्षण के बिना ज़िंदा नहीं बचती. बदले में, बोबो बिल्ली की दोस्ती ने बॉब कुत्ते को मजबूत बनाया और उसे आगे बढ़ते रहने का एक कारण दिया.

बॉब कुत्ता और बोबो बिल्ली तूफान कैटरीना से बच गए.

उन्होंने इस तूफ़ान में एक-दूसरे को अपने पंजों का सहारा दिया.

